

กรุงเทพฯ เดลิเมล์

ออกวัน เป็น ภาษา ไทย แล อังกฤษ

ปีที่ ๘ ฉบับที่ ๒๑๘๘

กรุงเทพฯ วันพฤหัสบดีที่ ๑๗ พฤศจิกายน พระพุทธศักราช ๒๔๖๐

ราคาฉบับละ ๕ บาท

การประณามผู้เหาะบาดหมาง

ในการประณามผู้เหาะบาดหมาง นั้น เราทราบดีว่าไม่ได้ทำอะไรจะได้ผลถึงค่า แต่ผู้ประณามนั้นก็มีคนบ้าง
ให้เรารู้ว่าต้องทำอะไรบ้าง บางครั้งบังคับให้รู้ ก่อการก่อเหตุซึ่งเขาถูกตัวแต่ต้องคอยอยู่ในที่นั้นนาน บางครั้ง
พาเขาหลงทางไป เพราะฉะนั้นสิ่งสำคัญที่ควรมีคือตัวไปด้วยเสมอ ก็คืออาหาร การกิน
ในการประณามผู้เหาะบาดหมางนี้ ไม่มีอะไรอย่างใดที่ทำให้เป็นประโยชน์แก่ความดีได้ ยิ่งกว่านั้นแล้วผู้ประณามก็มีคนบ้าง
คนที่ได้รับของกินต่าง ๆ จากพวกผู้ประณามนี้ ไม่เห็นเป็นไรกับเขาเลย เขาก็จะกินอย่างสบายใจ
ทำให้คนรับประณามมีความอดทนไม่ได้วัน ๆ ในที่สุดก็เกิดการวิวาทวิวาทกันขึ้น ผู้ประณามก็ได้รับประ
ทานโดยวิธีกลลวง หรือโดยการรับประณามที่ผิด ๆ ราคาค่าของอาหารก็มีค่าพอที่จะซื้ออาหารที่ดี ๆ
ถนนเจริญกรุงเลขที่ ๕๓๓ กรุงเทพฯ



ผู้ประณามผู้เหาะบาดหมาง
ชื่อ เค. โอ. ธรรมเสถียร

ยาสูบแบบอย่างดีเยี่ยมซึ่งช่วยให้สุขภาพดี...
ของประเทศไทยนี้ไม่ได้เกิดประโยชน์อันใดให้แก่ประเทศของเราได้...
กษัตริย์ไทย...
เพราะยาสูบที่เรามีอยู่ขณะนี้...
หรือจะดีกว่านี้...
และใช้กันอย่างแพร่หลาย...
เข้ามาไว้ขายและให้ชื่อว่ายาสูบ เค. โอ. ธรรมเสถียร



ห้าง เอส. เอส. บี.

ตกเข้ามางานนี้เอง

หน้าพิภพเกิด นำเม็ดเครื่องกระเบื้อง
(รับประณาม) นำบัตรและเข็มตอก
ราคาเรือนละ ๑ บาท ๕๐ สตางค์ ราคา
ถูกที่เดียวหน้าพิภพนี้ งานและเครื่องดีมาก



เหล่าบริษัท อาสาสมัคร

หน้ามอ... ๑๐๐ บาท

กติกาส่งมอบ โดยที่ประเทศ...

โดยวิธีที่อยู่ในใจ... ไม่โดยวิธีที่...

มัลลิกอัมม์ เบอวังเย

ถนนราชวงศ์... กรุงเทพฯ

๑, ๒, ๓, ๔, ๕, ๖, ๗, ๘, ๙, ๑๐

บริษัท... กรุงเทพฯ

บริษัท... กรุงเทพฯ

ถ้าต้องการทราบ ให้ดู...

เลขหมาย... กรุงเทพฯ

๑, ๒, ๓, ๔, ๕, ๖, ๗, ๘, ๙, ๑๐

ยาสูบ...

อย่างนี้

อย่างนี้

...

...

ของทั้ง... กรุงเทพฯ

...

มีจากหน้า... กรุงเทพฯ



...

...

...

Mellin's Food

...

...



...

...

...

UNITED STATES DEPARTMENT OF JUSTICE

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840.

UNRECORDED

พิภพนาถา พธำ ปด้อยตัว กน ฐป ฐก ฐก
ให้คน ไทย ไปแล้ว โดย ค้าด ออก เพ

ข้าพชนับพระนางท้าวการตามหลักที่หา
 มีความเลื่อมใสไม่
 พระราชทาน พระบรมราชโองการ
 วันที่ ๑๗ เมษายน พระพุทธศักราช ๒๔๖๐
 พระบาทสมเด็จพระเจ้าอยู่หัวฯ

ใน พ.ศ. ๒๕๐๖ ได้มีการจัดตั้ง

ทรงพระกรุณาโปรดเกล้าฯ พระราชทาน
ตราตรึงพระมหาพิชัยมงกุฎ แก่ นายเสนาะ จาน ปะ
กา (ตัวรัก จันทนาหนัก)

พระราชทาน เหรียญ รถม้า ภรณ์
รัชกาลที่ ๖ บัณฑิต

ตามระเบียบ วิชา การณ์ ชั้นที่ ๔ ๐. ๐. ๐.

พจนานุกรมฉบับราชบัณฑิตยสถาน พ.ศ. ๒๕๕๔
 ฉบับแก้ไขเพิ่มเติม พ.ศ. ๒๕๕๕ (ฉบับที่ ๑)
 (ฉบับที่ ๑)

พระบาทสมเด็จพระเจ้าอยู่หัว

พระราชทานเงิน 100,000 บาท เพื่อช่วยเหลือผู้ประสบภัย
 ทั่วทุกภาค ในการพระราชทานเงินช่วยเหลือผู้ประสบภัย
 ทั่วทุกภาค

บำ ทรวง พระกรุณา โปรดเกล้า ฯ พ

๑. ราชทาน เหรียญรัตนาภรณ์ รัชกาลที่ ๑๐
 ชั้นที่ ๑, ๒, ๓, ของกอง ไชยสงคราม
 ของ อานนท์ เอก - กองกักตุน
 (เด็ก นวนคร)
 พระบาทสมเด็จพระเจ้าอยู่หัว - เสด็จ
 พระราชทานกับ ประทับ ณ ตำหนักเสด็จฯ

พระพรหมเทพมหารัตนคณาจารย์

ฉบับที่ ๕ ๖. ๗. ๘. ของกรมที่ดิน

นายชัย (ตัวแทนมูลนิธิ)

ของ ธามาศย์ เอก ผดุงพิทยกิจ
 (ต้นกำเนิด กับ ทานิม)
 ของ ธามาศย์ เอก ผดุง พันธ์สาร
 (ต้นพิทยกิจ กับ ทานิม)
 วันที่ ๓๐ เมษายน พระพุทธศักราช ๒๕๖๐
 พระบาทสมเด็จพระเจ้าอยู่หัวฯ

THE UNIVERSITY OF CHICAGO PRESS

รัตนกรณ์ รัชกาลไต้มนั้น คือ
 ขึ้นที่ ๑. ๒. ๓. แดงตบดงยา
 พระยาภูมิพลางกิดี (กบฏแสน โป
 ๓. ๔. ๕. ๖. ๗. ๘. ๙. ๑๐. ๑๑. ๑๒. ๑๓. ๑๔. ๑๕. ๑๖. ๑๗. ๑๘. ๑๙. ๒๐. ๒๑. ๒๒. ๒๓. ๒๔. ๒๕. ๒๖. ๒๗. ๒๘. ๒๙. ๓๐. ๓๑. ๓๒. ๓๓. ๓๔. ๓๕. ๓๖. ๓๗. ๓๘. ๓๙. ๔๐. ๔๑. ๔๒. ๔๓. ๔๔. ๔๕. ๔๖. ๔๗. ๔๘. ๔๙. ๕๐. ๕๑. ๕๒. ๕๓. ๕๔. ๕๕. ๕๖. ๕๗. ๕๘. ๕๙. ๖๐. ๖๑. ๖๒. ๖๓. ๖๔. ๖๕. ๖๖. ๖๗. ๖๘. ๖๙. ๗๐. ๗๑. ๗๒. ๗๓. ๗๔. ๗๕. ๗๖. ๗๗. ๗๘. ๗๙. ๘๐. ๘๑. ๘๒. ๘๓. ๘๔. ๘๕. ๘๖. ๘๗. ๘๘. ๘๙. ๙๐. ๙๑. ๙๒. ๙๓. ๙๔. ๙๕. ๙๖. ๙๗. ๙๘. ๙๙. ๑๐๐.)

អង្គការស្រុកក្រាំងស្រី វិស័យសង្គម

วันที่ ๑๐ กรกฎาคม ๒๕๖๓

รูป) ทรงทำ งาน มาก

หนังสือเรื่องนี้มีจำหน่ายตามร้านขายหนังสือทั่วไปที่โรงพิมพ์กรุงเทพพาณิชย์

